स्थापना
अधिवेशन 5

विश्वासी का बपतिस्मा

<u>विश्वासी का बपतिस्मा</u>

· आज हम परमेश्वर के उस महत्वपूर्ण प्रबन्ध के बारें मे बातचीत करने जा रहे हैं जो उसने हमें उससे बातचीत आरम्भ करने के दौरान किया है..... विश्वासी का बपतिस्मा

पर यह एक ऐसा क्षेत्र है जिस पर विभिन्न मसीही समुदाय एक दूसरे से अलग–2 विचार रखते हैं।

हम उस समझ को दखने जा रहें हे जों प्रभु ने इस विषय पर हमें दी है। आपको इस पर सहमत होने की जरूरत नहीं। हम बस यही चाहते हैं कि आप यह देखें कि पवित्रशास्त्र इसके बारे में क्या कहता है। तब आप इस समझ को ग्रहण कर सकते हैं, यदि यह आपको अच्छी लगती है।

नए नियम के बपतिस्मे के बारे में हमारी परिभाषा.....

> *''जब एक व्यक्ति मसीह में विश्वास का अंगीकार करता है, तब उस व्यक्ति को पानी में डुबाया जाता है जिसे बपतिस्मा कहते हैं।''*

बपतिस्में के लिए सही विषय कौन सा हैं?

> *''पाप मान लेने वाले मसीहीयों को जिन्हें नये जन्म का अनुभव हुआ है और इस प्रकार वे पवित्रआत्मा द्वारा परमेश्वर के अनन्त परिवार शामिल किए गए हैं।''*

''विश्वासी का बपतिस्मा''
स्वतंत्रता की घोषणा

नए नियम का बपतिस्मा :

बपतिस्मा, एक प्रार्थी को मसीह में विश्वाास करने पर पानी में डुबाना या उसे पूरी तरह पानी के अन्दर डालना है।

बपतिस्मा के लिए सही विषय :

पाप मान लेने वाले विश्वासीयों को जिन्होंनें नए जन्म का अनुभव किया हो और इस प्रकार पवित्र आत्मा द्वारा परमेश्वर के अनन्त परिवार में शामिल किए गए हों।

1. बपतिस्में में आज्ञाकारिता शामिल है

1. ये .....**यीशु**..... की आज्ञा का पालन करता है। मती 28:19

जाओ और सारे देश के लोगों को चेले बनाओ और पिता, पुत्र और पवित्रआत्मा के नाम से बपतिस्मा दो।

2. ये मसीह के .....**उदाहरण**..... का अनुसरण करता है।

इसलिए जब प्रभु को मालुम हुआ कि फरिसियों ने सुना कि यीशु यहुन्ना से अधिक बपतिस्मा देता है (जबकि यीशु स्वंय बपतिस्मा नहीं देता था पर चेले देते थे – यहून्ना 451–2 (देखिए मती 3:13–15)

3. ये .....**प्ररितों**..... के उदाहरण का अनुसरण करता है।

पतरस ने उनसे कहा, '' पश्चाताप करो और तुम में से हर एक यीशु मसीह के नाम का बपतिस्मा ले'' – प्रेरित 2:38

जब उन्होंने विश्वास किया जैसे फिलिपुस ने प्रचार किया..... पुरूष और स्त्री दोनों ने यीशु के नाम का बपतिस्मा लिया – प्रेरित 8:12

4. यह हृदय परिवर्तन का बाहरी रूप है और एक नई निष्ठा का प्रतीक है

यह उस सैनिक के समान है

– जो .....**अपनी वर्दी धारण कर**..... रहा हो।

– यह एक .....**सार्वजनिक विवाह समारोह**..... के समान होता है

बपतिस्में में आज्ञाकारिता शामिल है

- यह एक विकल्प नहीं है। पवित्रशास्त्र और स्वंय प्रभु यीशु की आज्ञा मानने का यह अत्यन्त जरूरी हिस्सा है। इस निर्देश का इन्कार कर देने से आप परमेश्वर के प्रकाशित वचन की अनाज्ञाकारिता करते हैं।

1. यह **<u>यीशु</u>** की आज्ञा का पालन करना है मती 28:19

''जाओ और सारे देश के लोगों को चेला बनाओ ओर उन्हें पिता, पुत्र, और पवित्राआत्मा के नाम से बपतिस्मा दो।''

- विशेष कर अविश्वासी देशों में बपतिस्मा जीवन को बदलने वाला कदम होता है, नए विश्वासीयों के जीवन में एक बदलाव का बिन्दु होता हैं। यह सही हैं कि निर्देशों को प्राप्त करने के लिए आया जाए, आराधना के लिए एकत्र होया जाए आदि। परन्तु जब एक व्यक्ति का बपतिस्मा होता है तो इसका अर्थ हेाता हैं कि वह एक अलग करने वाली रेखा के उस पार जा रहा हैं — अपने पूवर्जों के रीति रिवाजों और विश्वासों को छोड़ना — और वे एक अलग दिशा की ओर जा रहे हैं।

- और इसलिए लोग अकसर सताव का सामना करते हैं और परिवार से निकाल दिये जाते हैं जब वे बपतिस्मा लेने का फैंसला करते हैं।

- जब रोमियों ने इंग्लैड पर आक्रमण किया तब सैनिको ने जहाजों का प्रयोग कर नदी को पार किया। जब वह भूमि पर पहुंच गए और छावनीयों की तरफ बढ़े तो उन्होंने अपने सैनिकों को डर से कांपते हुए देखा पर उनके जहाज जल रहे थें। उनके जहाजों को सेनाध्यक्ष ने आग लगाई थी जो उन्हे यह बतलाना चाहता था कि या तो वे आक्रमण को सफलता पूर्वक समाप्त करें या फिर उनके पास वापसी का कोई रास्ता नहीं।

- इसी तरह बपतिस्में मे होता है। पौलुस ने कुरिंथियों को कहा कि इस्राएल की संतान का बपतिस्मा लाल समुद्र में हुआ था। पर वे अब वापस नहीं जा सकते थे भले ही उनमें जाने की चाहते हों। उन्हें नए जीवन में ही चलना था।

- यीशु ने भी इसी तरह की परिकल्पना की। पुराने जीवन का खात्मा और हमारे नए जीवन का आरम्भ।

2. नए नियम का बपतिस्मा यीशु के **<u>उदाहरण</u>** का अनुसरण करता है।

- यीशु मसीह ने अपनी जन सेवकाई बपतिस्मा लेने के बाद आरम्भ की।

- यह मात्र एक चिन्ह नहीं था। उसने पहले स्वंय किया जो कुछ वह अपने अनुयायीयों से करवाने जा रहा था।

- यहून्ना 4:1—2 में हम पढ़ते हैं कि यीशु ने यहून्ना बपतिस्मा देने वाले से अधिक यहुदी लोगों को बपतिस्मा दिया और चेले बनाया।

''विश्वासी का बपतिस्मा''
स्वतंत्रता की घोषणा

नए नियम का बपतिस्मा :

बपतिस्मा, एक प्रार्थी को मसीह में विश्वाास करने पर पानी में डुबाना या उसे पूरी तरह पानी के अन्दर डालना है।

बपतिस्मा के लिए सही विषय :

पाप मान लेने वाले विश्वासीयों को जिन्होंनें नए जन्म का अनुभव किया हो और इस प्रकार पवित्र आत्मा द्वारा परमेश्वर के अनन्त परिवार में शामिल किए गए हों।

1. बपतिस्में में आज्ञाकारिता शामिल है

1. ये .....**यीशु**..... की आज्ञा का पालन करता है। मती 28:19

जाओ और सारे देश के लोगों को चेले बनाओ और पिता, पुत्र और पवित्रआत्मा के नाम से बपतिस्मा दो।

2. ये मसीह के .....**उदाहरण**..... का अनुसरण करता है।

इसलिए जब प्रभु को मालुम हुआ कि फरिसियों ने सुना कि यीशु यहुन्ना से अधिक बपतिस्मा देता है (जबकि यीशु स्वंय बपतिस्मा नहीं देता था पर चेले देते थे – यहून्ना 451–2 (देखिए मती 3:13–15)

3. ये .....**प्ररितों**..... के उदाहरण का अनुसरण करता है।

पतरस ने उनसे कहा, '' पश्चाताप करो और तुम में से हर एक यीशु मसीह के नाम का बपतिस्मा ले'' – प्रेरित 2:38

जब उन्होंने विश्वास किया जैसे फिलिपुस ने प्रचार किया..... पुरूष और स्त्री दोनों ने यीशु के नाम का बपतिस्मा लिया – प्रेरित 8:12

4. यह हृदय परिवर्तन का बाहरी रूप है और एक नई निष्ठा का प्रतीक है

यह उस सैनिक के समान है

– जो .....**अपनी वर्दी धारण कर**..... रहा हो।

– यह एक .....**सार्वजनिक विवाह समारोह**..... के समान होता है

3. यह **<u>प्ररितों</u>** के उदाहरण का अनुसरण करना है।

- उसकी मौत, जी उठने और स्वर्गारोहण के बाद हम प्ररितों के काम 2 में आते हैं...

  पतरस ने उनसे कहा, *''पश्चाताप करो और तुम में से हर एक यीशु मसीह के नाम का बपतिस्मा ले''* — प्रेरित 2:38

- बाद में सामरिया में...

  जब उन्होंने विश्वास किया जैसे फिलिपुस ने प्रचार किया... *पुरूष और स्त्री दोनों ने यीशु के नाम का बपतिस्मा लिया* — प्रेरित 8:12

4. यह हृदय परिवर्तन का बाहरी निशान है और यीशु के पीछे नए समर्पण का अनुसरण है।

- यह उस सैनिक के समान है जो **<u>अपनी वर्दी धारण कर</u>** रहा हो।

  - यह मसीहत में आने के बाद सबसे पहली बात है जिसे आप करते हैं।
  - यह आपको शस्त्र सेना के एक सदस्य के रूप में मिला लेता है।
  - अब आपसे एक निश्चित शिष्टाचार भरे व्यवहार की आशा की जाती है ताकि आप उस दस्ते की जिसकी वर्दी पहनी है के बारे में सही प्रस्तुतीकरण कर सकें।

- यह एक **<u>सार्वजनिक विवाह समारोह</u>** के समान होता है

  - दो व्यक्ति अपने जीवन को विवाह में लेकर आते हैं आशा की जाती है कि वे पहले से ही अपने दिलों को आपस में जोड़ चुके हैं।
  - वे अपने प्रतिज्ञाओं के कारण राज्य के कानून की आधिनता में एकत्र कर दिए जाते हैं।
  - अगर स्त्री विश्वासयोग्य हैं तो वह अपने पति और विवाह के प्रति आदर लाती है।
  - यदि वह अविश्वासयोग्य है तो अनादर लाती है।
  - ऐसा ही एक विश्वासी के साथ होता है जब वह सार्वजनिक तौर पर बपतिस्में में प्रभु के साथ जोड़ दिया जाता है।

''विश्वासी का बपतिस्मा''
स्वतंत्रता की घोषणा

नए नियम का बपतिस्मा :

बपतिस्मा, एक प्रार्थी को मसीह में विश्वाास करने पर पानी में डुबाना या उसे पूरी तरह पानी के अन्दर डालना है।

बपतिस्मा के लिए सही विषय :

पाप मान लेने वाले विश्वासीयों को जिन्होंनें नए जन्म का अनुभव किया हो और इस प्रकार पवित्र आत्मा द्वारा परमेश्वर के अनन्त परिवार में शामिल किए गए हों।

1. **बपतिस्में में आज्ञाकारिता शामिल है**

1. ये .....**यीशु**..... की आज्ञा का पालन करता है। मती 28:19

जाओ और सारे देश के लोगों को चेले बनाओ और पिता, पुत्र और पवित्रआत्मा के नाम से बपतिस्मा दो।

2. ये मसीह के .....**उदाहरण**..... का अनुसरण करता है।

इसलिए जब प्रभु को मालुम हुआ कि फरिसियों ने सुना कि यीशु यहुन्ना से अधिक बपतिस्मा देता है (जबकि यीशु स्वंय बपतिस्मा नहीं देता था पर चेले देते थे – यहून्ना 451–2 (देखिए मती 3:13–15)

3. ये .....**प्ररितों**..... के उदाहरण का अनुसरण करता है।

पतरस ने उनसे कहा, '' पश्चाताप करो और तुम में से हर एक यीशु मसीह के नाम का बपतिस्मा ले'' – प्रेरित 2:38

जब उन्होंने विश्वास किया जैसे फिलिपुस ने प्रचार किया..... पुरूष और स्त्री दोनों ने यीशु के नाम का बपतिस्मा लिया – प्रेरित 8:12

4. यह हृदय परिवर्तन का बाहरी रूप है और एक नई निष्ठा का प्रतीक है

यह उस सैनिक के समान है

– जो .....**अपनी वर्दी धारण कर**..... रहा हो।

– यह एक .....**सार्वजनिक विवाह समारोह**..... के समान होता है

हालांकि, विश्वासी के बपतिस्मे में प्रभु में विश्वास व्यक्त करने के समय सार्वजनिक धोषणा एक महत्वपूर्ण कारण है तो भी यहां सार्वजनिक गवाही से बढ़कर एक बात है। यहां पर कुछ काम है!

इसलिए हम पवित्रशास्त्र में यह देखने जा रहे हैं कि विश्वासी के जीवन में बपतिस्मा क्यों महत्वपूर्ण हैं

बपतिस्मा हमारे छुटकारे की घोषणा करता है

''क्योंकि जीवन की आत्मा की व्यवस्था ने पाप की और मत्यु की व्यवस्था से स्वतंत्र किया है।'' रोमियों 8:2

- हम सभी पाप की और मृत्यु की व्यवस्था से भली भांति जानकारी रखते हैं।

- पर अब प्रभु पुराने ढर्रे को तोड़ देना चाहता है, इसे वह टुकड़ों में बिखेर देना चाहता है ताकि यह फिर कभी हम पर राज्य न करे, इसकी सामर्थ को तोड़ देना चाहता है कि वह हमें फिर नियंत्रण में न ले।

- बपतिस्मा इसी प्रबन्ध का एक हिस्सा है जो उसने हमारे लिए बनाया है ताकि हम नए जीवन को स्वतंत्रता पूर्वक जी सकें। यह ऐसी बात है जिसे वह हममें डालना चाहता है। हम इसे प्राप्त कर सकते हैं और लागू कर सकते है।

इसलिए आइए बपतिस्मे में शामिल कई बातें जिन्हे हमें करना हैं को देखें ।

1. हम पाप के साम्राज्य और सामर्थ पर अधिकार कर लेते है। बाइबल कहती है पाप की सामर्थ हम पर से तौड़ दी गई है।

''सो हे भाईयो, हम शरीर के कर्जदार नहीं कि शरीर के अनुसार दिन काटे..... आत्मा से देह की क्रियाओं को मारोगे तो जीवित रहोगे'' (रोमियों 8:12—13)

- शत्रु ने हमारे जीवन में एक चिपकने वाली शक्ति को स्थापित किया है जिसे टुटने की जरूरत है।

. **बपतिस्मा हमारे छुटकारे की घोषणा करता है**

''क्योंकि जीवन की आत्मा की व्यवस्था ने मसीह यीशु में मुझे पाप की और मृत्यु की व्यवस्था से स्वतंत्र कर दिया। क्योंकि जो काम व्यवस्था शरीर के कारण दुर्बल होकर न कर सकी, उस को परमेश्वर ने किया, अर्थात अपने ही पुत्र को पापमय शरीर की समानता में और पापबलि होने के लिए भेजकर, शरीर में पाप पर दण्ड की आज्ञा दी। इसलिए कि व्यवस्था की विधि हममें जो शरीर के अनुसार नहीं वरन् आत्मा के अनुसार चलते हैं, पूरी की जाए।''

''सो हे भाईयो, हम शरीर के कर्जदार नहीं कि शरीर के अनुसार दिन काटें... आत्मा से देह की क्रियाओं को मारोगे तो जीवित रहोगे'' ((रोमियों 8: 2–4, 12–13)

बपतिस्मा को मसीह ने हमारे जीवन के लिए एक भाग बनाया है, सब कुछ मसीह की मृत्यु और पुनरूत्थान में हमारे लिए पूरा किया गया है और हमें बता दिया गया है और विश्वासी के बपतिस्में को वास्तविक बनाया है। हम उस पर विश्वास करते हैं कि वह हमें सभी बंधनों और रूकावटों से स्वतंत्र करे, नीचे खींचकर और वापस पकड़े रहे। जैसा कि हम मसीह में सम्पूर्ण जीवन जो हमारे लिए है में आगे बढ़ते हैं।

इसलिए, विश्वासी के बपतिस्मा में हम :

1. अधिकार लेते हैं :– पाप के साम्राज्य और सामर्थ पर।

''हम पर से पाप की शक्ति को तोड़ दिया गया हैं जब हम विश्वासी बनते और बपतिस्मा लेकर यीशु मसीह के हिस्से बन जाते है। उसकी मृत्यु के द्वारा आपके पापमयी स्वभाव तोड़ दिया गया है'।' (रोमियों 6:3 लीविंग बाइबल अनुवाद से)

रोमियों 6:–7 और 11 भी देखिए

पद 5 ..... **हम मसीह के साथ मर गए।**

. *.....उसकी मृत्यु की समानता में उसके साथ जुट गए है।*

पद 6 ..... **हमारी पुरानी इच्छांए कुस पर ठोंक दी गई।**

. *.....हमारा पुराना मनुष्यत्व उसके साथ कुस पर चढ़ाया गया।*

पद 7 ..... **पाप का कोई अधिकार नही रहा।**

. *.....क्योंकि जो मर गया वह पाप से स्वतंत्र हो गया।*

पद 11 ..... **पाप के लिए मर गए और परमेश्वर के लिए जीवित हैं।**

....तुम भी अपने आप को पाप के लिए मरा समझो, परन्तु परमेश्वर के लिए मसीह यीशु में जीवित समझो।

- याद हैं, बपतिस्में के विषय में रोमियों 6 हमारा कुंजी पद हैं इस संदर्भ में पौलुस ने ऐसी कई घटनाओं को लिखा हैं जो यीशु के कुस पर मरते समय घटी।

  - पद 5 – <u>**हम मसीह के साथ मर गए।**</u>

    - वह हमारा विकल्प ठहरा..... हम मरे जब वह मरा।

  - पद 6– <u>**हमारी पुरानी इच्छांए कुस पर ठोंक दी गई।**</u>

    - एक क्षण हम पाप के नियंत्रण में थे, अगले क्षण हमारे लिए मूल्य चुका दिया गया है – यीशु ने मूल्य चुकाया

    - ''..... हमारा पुराना मनुष्यत्व उसके साथ कुस पर चढ़ाया गया।''

  - पद 7 – <u>**पाप का कोई अधिकार नही रहा।**</u>

    - पाप अब घुसपैठिया है। इसका दावा हम बपतिस्में में करते हैं! अब हम पाप को सामने देख सकते हैं और कहते है,'' अब तेरा मेरे ऊपर कोई नियंत्रण नहीं रहा।'' हम पाप के लिए मर गये।

    - इसका अर्थ यह नहीं हैं कि हम समस्या या परिक्षा से बचे रहेंगे पर जब वे आऐंगी तब हम कह सकते हैं, ''तेरा यहां पर अधिकार नहीं है! मैं तुझे प्रभु यीशु मसीह के नाम में इन्कार करता हूं!''

  - पद11 – <u>**पाप के लिए मर गए और परमेश्वर के लिए जीवित हैं।**</u>

    - हम अपने आपको, ''पाप के लिए मरा हुआ'' और ''परमेश्वर के लिए जीवित'' समझें। हमें पाप की ओर से आ रहें संकेतों की ओर ध्यान देने की जरूरत नहीं। अब हम परमेंश्वर की ओर से आ रहे संकेतों पर ध्यान दे सकते हैं।

    - नियंत्रण करने वाला कारक टुट गया।

. **बपतिस्मा हमारे छुटकारे की घोषणा करता है**

''क्योंकि जीवन की आत्मा की व्यवस्था ने मसीह यीशु में मुझे पाप की और मृत्यु की व्यवस्था से स्वतंत्र कर दिया। क्योंकि जो काम व्यवस्था शरीर के कारण दुर्बल होकर न कर सकी, उस को परमेश्वर ने किया, अर्थात अपने ही पुत्र को पापमय शरीर की समानता में और पापबलि होने के लिए भेजकर, शरीर में पाप पर दण्ड की आज्ञा दी। इसलिए कि व्यवस्था की विधि हममें जो शरीर के अनुसार नहीं वरन् आत्मा के अनुसार चलते हैं, पूरी की जाए।''

''सो हे भाईयो, हम शरीर के कर्जदार नहीं कि शरीर के अनुसार दिन काटें... आत्मा से देह की क्रियाओं को मारोगे तो जीवित रहोगे'' ((रोमियों 8: 2–4, 12–13)

बपतिस्मा को मसीह ने हमारे जीवन के लिए एक भाग बनाया है, सब कुछ मसीह की मृत्यु और पुनरूत्थान में हमारे लिए पूरा किया गया है और हमें बता दिया गया है और विश्वासी के बपतिस्में को वास्तविक बनाया है। हम उस पर विश्वास करते हैं कि वह हमें सभी बंधनों और रूकावटों से स्वतंत्र करे, नीचे खींचकर और वापस पकड़े रहे। जैसा कि हम मसीह में सम्पूर्ण जीवन जो हमारे लिए है में आगे बढ़ते हैं।

इसलिए, विश्वासी के बपतिस्मा में हम :

1. अधिकार लेते हैं :– पाप के साम्राज्य और सामर्थ पर।

''हम पर से पाप की शक्ति को तोड़ दिया गया हैं जब हम विश्वासी बनते और बपतिस्मा लेकर यीशु मसीह के हिस्से बन जाते है। उसकी मृत्यु के द्वारा आपके पापमयी स्वभाव तोड़ दिया गया है'।' (रोमियों 6:3 लीविंग बाइबल अनुवाद से)

रोमियों 6:–7 और 11 भी देखिए

पद 5 ..... **हम मसीह के साथ मर गए।**
.....उसकी मृत्यु की समानता में उसके साथ जुट गए है।

पद 6 ..... **हमारी पुरानी इच्छांए क्रुस पर ठोंक दी गई।**
.....हमारा पुराना मनुष्यत्व उसके साथ क्रुस पर चढ़ाया गया।

पद 7 ..... **पाप का कोई अधिकार नही रहा।**
.....क्योंकि जो मर गया वह पाप से स्वतंत्र हो गया।

पद 11 ..... **पाप के लिए मर गए और परमेश्वर के लिए जीवित हैं।**
....तुम भी अपने आप को पाप के लिए मरा समझो, परन्तु परमेश्वर के लिए मसीह यीशु में जीवित समझो।

- इस तरह जब आपका उसकी मृत्यु में बपतिस्मा हुआ तो आप पाप के **<u>अधिकार</u>** और **<u>शक्ति</u>** से आज़ाद कर दिये गए हैं। यह वास्तविकता बपतिस्में में बना दी जाती है जिसे हम विश्वास से ग्रहण कर सकते हैं

    - हममें से कईयों ने जीवन के क्षेत्रों पर विजय प्राप्त करने की कोशिश की है परन्तु फेल हो गए हैं।

    - हममें से कुछ ने उपवास रखा और लोगों ने हमारे लिए प्रार्थना की और शैतान को डांटा, परन्तु अभी भी हम इन बातें पर नियंत्रण नहीं कर सकते हैं।

    - पर जब हम यीशु में बपतिस्मा लेते हैं तब हम आज़ाद हो सकते हैं। वह शैतान की शक्ति को नाश करने के लिए आया और मौत और बन्धन को लाता है।

काटा गया

पौलुस पुराने नियम के खतने को कुलुसियों के पत्र में नए नियम के बपतिस्में के साथ तुलना और बराबरी करता है

> *''उसी ने तुम्हारा ऐसा खतना हुआ जो हाथ से नहीं होता अर्थात मसीह का खतना जिससे शारिरीक देह उतार दी जाती है''* — कुलुसियों 2:11

या फिर लीविंग बाइबल अनुवाद से

> *''जब तुम मसीह के पास गए, उसने तुम्हारी बुरी अभिलाषाओं से स्वतंत्र किया, शारिरीक आप्रेशन या खतना के द्वारा नहीं पर आत्मिक बपतिस्मा के द्वारा जो आत्मा का आप्रेशन है।''* — कुलुसियों 2:11 (लीविंग बाइबल)

- परमेश्वर ने अब्राहम के साथ अदभुत प्रतिज्ञांए की थी (आकाश के तारागण या बालू के किनकों से बढ़कर उसके वंश, उसके द्वारा सभी राष्ट्र आशिष पाऐंगे, उसी के कुल में से उद्धारकर्ता आएगा।

- परमेश्वर अब्राहम के साथ वाचा बांधता है। वाचा में अब्राहम की भी अपनी एक भूमिका है (पढ़िए उत्पति 17:9—12) अब्राहम और उसके सारे वंशजों को खतना करना था क्योंकि खतना परमेश्वर की पुरानी वाचा का चिन्ह और छाप थी।

- खतने का क्या अभिप्राय था? **<u>परमेंश्वर और उसके लोगो के मध्य एक वाचा के चिन्ह की स्थापना करना</u> ।**

- पुराने नियम में कई बार लोगों ने अब्राहम को दिए गए परमेश्वर के निर्देश का पालन नहीं किया। उन्होने खतना नहीं किया। यह परमेश्वर के लिए एक गम्भीर बात थी। परमेश्वर इसे एक निशान के रूप में, एक चिन्ह के रूप में जो उसने इन लोगों को दिया था देखता है। इसलिए वह उनकी अनाज्ञाकारिता का लेखा लेगा।
    - मूसा और सिप्पौरा
    - यहोशु... तुममें से कोई अपना कदम प्रतिज्ञा किए हुए देश में न रखे जब तक सभी के सब खतना नहीं कर लेते। इसलिए वह वहीं रूक गया और उन सभौं का खतना किया।

सो जैसे तुमने उसकी मौत में बपतिस्मा दिया, तुम

अधिकार और **शक्ति** पाप से स्वतंत्र हो।

2. काटा गया – पवित्रआत्मा के द्वारा तुम्हारे हृदयों में कार्य किया गया जो आत्मिक खतना है।

''उसी ने तुम्हारा ऐसा खतना हुआ जो हाथ से नहीं होता अर्थात मसीह का खतना जिससे शारिरीक देह उतार दी जाती है'' – कुलुसियों 2:11

'जब तुम मसीह के पास गए, उसने तुम्हारी बुरी अभिलाषाओं से स्वतंत्र किया, शारिरीक आप्रेशन या खतना के द्वारा नहीं पर आत्मिक बपतिस्मा के द्वारा जो आत्मा का आप्रेशन है। – कुलुसियों 2:11 (लीविंग बाइबल अनुवाद के से)

जैसे खतना पुरानी वाचा की छाप थी वैसे ही अब बपतिस्मा यीशु मसीह की नई वाचा का चिन्ह बन जाता है। यह खतना के अर्थ को पूरा करता है।

– खतने का अभिप्राय क्या था ? उत्पति 17:9–11

परमेंश्वर और उसके लोगो के मध्य एक वाचा के चिन्ह की स्थापना करना।

– कौन सा आत्मिक कार्य खतने ने पूरा करना था ?

उनके हृदयों को साफ करना जिससे कि वे परमेश्वर से प्रेम कर सकें

''और तेरा परमेश्वर यहोवा तेरा और तेरे वंश का खतना करेगा कि तू अपने परमेश्ववर यहोवा से अपने सारे मन, सारे प्राण के साथ प्रेम करे जिससे तू जीवित रहें – व्यवस्था विवरण 30:6 (यिर्मयाह 17:1, 31:31–33 देखें)

– कौन परमेश्वर का सच्चा बालक है?

वे जो हृदय के खतने द्वारा न केवल बाहरी, परन्तु भीतरी रूप से परिवर्तित हुए हैं।

क्योंकि वह यहूदी नहीं जो प्रगट में यहूदी है और न वह खतना है जो प्रगट में है, और देह में है।

पर यहूदी वही हैं जो मन में है और खतना वही है जो हृदय का और आत्मा का है, न कि लेख का ऐसे की प्रशंसा मनुष्यों की ओर से नहीं परन्तु परमेश्वर की ओर से होती है। – रोमियों 2:28–29

- दुर्भाग्यवश, हांलांकि उन्होंने अपने बच्चों का भी खतना किया था तौभी यह मात्र बाहरी चिन्ह के रूप में देखा गया। जबकि परमेश्वर ने कभी इसे इस रूप में नहीं देखा था उसकी इच्छा उनके दिलों मे आत्मिक काम की स्थापना करना था। व्यवस्था विवरण 30:6 (पढ़िए) में हम समझते हैं कि खतना उनके **हृदय को स्वच्छ करने लिए दिया गया था जिससे कि वे परमेश्वर से प्रेम कर सकें।**

- जब तक हृदय साफ नहीं हो जाता वह परमेश्वर की यहां तक कि पहली आज्ञा के पीछे भी नहीं चल पाऐंगें! परमेश्वर ने कहा, ''मुझे तुम्हारे हृदय में सबसे पहले कुछ करना है तब तुम मेरे प्रति नम्र और मुझसे प्रेम करने, आज्ञा मानने और अनुसरण करने के लायक होंगे।''

इसलिए खतना मात्र एक रीति रिवाज नहीं था, परन्तु यह एक निशान था कि उनके दिल सही हैं। इसका प्रमाण हमें भविष्यद्वक्ताओं में मिलता है।

- यिर्मयाह 17:1 ''मेरे लोगों का पाप लोहे की टांकी और हीरे की नोक से लिखा हुआ है वह उनके हृदय रूपी पटियां और उनकी वेदियों के सिंगों पर भी खुदा हुआ है।''

- परमेश्वर उनको परख रहा था... ''तुम बदल नहीं सकते हो! तुम्हारे दिल इतने कठोर हैं कि मानों उनकी बुरी इच्छांए पत्थर की पटिया के समान है।''

- परन्तु परमेश्वर ने उन्हें यिर्मयाह भविष्यद्वक्ता के द्वारा उत्तर दिया।

  ''और प्रभु तुम्हारा परमेश्वर तुम्हारे दिल और तुम्हारे घराने के दिल का खतना करेगा ताकि तुम तुम्हारे परमेश्वर को तुम्हारे दिल और तुम्हारे प्राण से प्रेम करो ताकि तुम जीवित रहो!'' यिर्मयाह 31:31—33

- परमेश्वर उनसे कह रहा था,''तुम मेरी आज्ञाओं को पालन करने के योग्य नहीं हो और मेरे पीछे नहीं चल रहे हो। परन्तु मैं आ रहा हूं और एक नया काम करूंगा! वह दिन आ रहा है जिस दिन मैं तुम्हारे हृदयों का खतना करूंगा और तुम्हारे हृदयों पर अपनी व्यवस्था लिखुंगा।''

सो जैसे तुमने उसकी मौत में बपतिस्मा दिया, तुम

अधिकार और **शक्ति** पाप से स्वतंत्र हो।

2. काटा गया – पवित्रआत्मा के द्वारा तुम्हारे हृदयों में कार्य किया गया जो आत्मिक खतना है।

''उसी ने तुम्हारा ऐसा खतना हुआ जो हाथ से नहीं होता अर्थात मसीह का खतना जिससे शारिरीक देह उतार दी जाती है'' – कुलुसियों 2:11
'जब तुम मसीह के पास गए, उसने तुम्हारी बुरी अभिलाषाओं से स्वतंत्र किया, शारिरीक आप्रेशन या खतना के द्वारा नहीं पर आत्मिक बपतिस्मा के द्वारा जो आत्मा का आप्रेशन है। – कुलुसियों 2:11 (लीविंग बाइबल अनुवाद के से)

जैसे खतना पुरानी वाचा की छाप थी वैसे ही अब बपतिस्मा यीशु मसीह की नई वाचा का चिन्ह बन जाता है। यह खतना के अर्थ को पूरा करता है।

– खतने का अभिप्राय क्या था ? उत्पति 17:9–11

परमेंश्वर और उसके लोगो के मध्य एक वाचा के चिन्ह की स्थापना करना।

– कौन सा आत्मिक कार्य खतने ने पूरा करना था ?

उनके हृदयों को साफ करना जिससे कि वे परमेश्वर से प्रेम कर सकें

''और तेरा परमेश्वर यहोवा तेरा और तेरे वंश का खतना करेगा कि तू अपने परमेश्ववर यहोवा से अपने सारे मन, सारे प्राण के साथ प्रेम करे जिससे तू जीवित रहें – व्यवस्था विवरण 30:6 (यिर्मयाह 17:1, 31:31–33 देखें)

– कौन परमेश्वर का सच्चा बालक है?

वे जो हृदय के खतने द्वारा न केवल बाहरी, परन्तु भीतरी रूप से परिवर्तित हुए हैं।

क्योंकि वह यहूदी नहीं जो प्रगट में यहूदी है और न वह खतना है जो प्रगट में है, और देह में है।

पर यहूदी वही हैं जो मन में है और खतना वही है जो हृदय का और आत्मा का है, न कि लेख का ऐसे की प्रशंसा मनुष्यों की ओर से नहीं परन्तु परमेश्वर की ओर से होती है। – रोमियों 2:28–29

- यह है खतने का असली अर्थ.... और हम इसकी सच्चाई को जब रोमियों 2:28—29 में आते हैं तो पाते हैं

  ''पर यहूदी वही हैं जो मन में है और खतना वही है जो हृदय का और आत्मा का है, न कि लेख का ऐसे की प्रशंसा मनुष्यों की ओर से नहीं परन्तु परमेश्वर की ओर से होती है।''

- बहुत सारे यहुदियों ने खतने का चिन्ह एक जाति विशेष के चिन्ह के रूप में देखा। जिस किसी का खतना किया हुआ था वह, ''अब्राहम की संतान'' कहलाया। इसी तरह कुछ लोग बपतिस्में के बारे में सोचते हैं। वे सोचते हैं कि जिस किसी ने बपतिस्मा लिया है, शायद एक छोटा बच्चा ही क्यों न हो वे'' परमेश्वर का बालक'' है। रोमियों 2:28 यहुदियों के मुहं पर एक चांटें के समान था पर उसने ये घोषणा की कि एक सच्चा यहुदी वह है जिसका आन्तरिक परिवर्तन हुआ है क्योंकि उसके दिल का खतना हुआ हैं।

- कौन तब परमेश्वर का सच्चा बालक है? **वे जो हृदय के खतने द्वारा न केवल बाहरी, परन्तु भीतरी रूप से परिवर्तित हुए हैं !**

सो जैसे तुमने उसकी मौत में बपतिस्मा दिया, तुम

अधिकार और **शक्ति** पाप से स्वतंत्र हो।

2. काटा गया – पवित्रआत्मा के द्वारा तुम्हारे हृदयों में कार्य किया गया जो आत्मिक खतना है।

''उसी ने तुम्हारा ऐसा खतना हुआ जो हाथ से नहीं होता अर्थात मसीह का खतना जिससे शारिरीक देह उतार दी जाती है'' – कुलुसियों 2:11
'जब तुम मसीह के पास गए, उसने तुम्हारी बुरी अभिलाषाओं से स्वतंत्र किया, शारिरीक आप्रेशन या खतना के द्वारा नहीं पर आत्मिक बपतिस्मा के द्वारा जो आत्मा का आप्रेशन है। – कुलुसियों 2:11 (लीविंग बाइबल अनुवाद के से)

जैसे खतना पुरानी वाचा की छाप थी वैसे ही अब बपतिस्मा यीशु मसीह की नई वाचा का चिन्ह बन जाता है। यह खतना के अर्थ को पूरा करता है।

– खतने का अभिप्राय क्या था ? उत्पति 17:9–11

परमेंश्वर और उसके लोगो के मध्य एक वाचा के चिन्ह की स्थापना करना।

– कौन सा आत्मिक कार्य खतने ने पूरा करना था ?

उनके हृदयों को साफ करना जिससे कि वे परमेश्वर से प्रेम कर सकें

''और तेरा परमेश्वर यहोवा तेरा और तेरे वंश का खतना करेगा कि तू अपने परमेश्ववर यहोवा से अपने सारे मन, सारे प्राण के साथ प्रेम करे जिससे तू जीवित रहें – व्यवस्था विवरण 30:6 (यिर्मयाह 17:1, 31:31–33 देखें)

– कौन परमेश्वर का सच्चा बालक है?

वे जो हृदय के खतने द्वारा न केवल बाहरी, परन्तु भीतरी रूप से परिवर्तित हुए हैं।

क्योंकि वह यहूदी नहीं जो प्रगट में यहूदी है और न वह खतना है जो प्रगट में है, और देह में है।

पर यहूदी वही हैं जो मन में है और खतना वही है जो हृदय का और आत्मा का है, न कि लेख का ऐसे की प्रशंसा मनुष्यों की ओर से नहीं परन्तु परमेश्वर की ओर से होती है। – रोमियों 2:28–29

हमारे ह्रदय से आत्मिक आप्रेशन क्या निकालना चाहता है? परमेश्वर चाहता है कि ऐसी दो बातें हमारे दिल के ओप्रेशन के द्वारा काट कर अलग कर दी जांए :

''उसी ने तुम्हारा ऐसा खतना हुआ जो हाथ से नहीं होता अर्थात मसीह का खतना जिससे शारिरीक देह उतार दी जाती है''

० **<u>परमेश्वर से शत्रुता और उसके रास्ते — पुराना पापमय स्वभाव है</u>**

- ''...क्योकि शरीर पर मन लगाना तो परमेश्वर से बैर रखना है, क्योंकि न तो परमेश्वर किसी व्यवस्था के आधीन हैं और न हो सकता है।''— रोमियों 8:7
- जिस समय से हमारा जन्म हुआ है तब से हम परमेश्वर के रास्तो के शत्रु हैं। किसी ने हमें पाप करना नहीं सिखाया।
- हम परमेंश्वर के साथ शत्रुता में बढ़ते हैं। परन्तु परमेश्वर हमारे साथ इस बात पर झगड़ा करता है कि वह इस शत्रुता की रीढ़ की हडडी तोड़ दे। यह हमे बपतिस्में में उससे ग्रहण कर सकते हैं।

० परमेश्वर **<u>उसके बने रहने वाले भीतरी प्रभाव</u>** को हटाना चाहता है जिसका प्रभाव उन सभी सालों मे बना हुआ था जब ''अहम्'' सिहांसन पर बैठा हुआ था और मैं पापमय स्वभाव के आधीन था। यह सभी हमारे बीते हुए पापमय स्वभाव के हिस्से हैं।

- हमारी आदतें, इच्छांए, जीवन के ढ़र्रे, लक्ष्य और हमारे अभिप्राय।
- कोई भी हमारा पुराना अनुभव जो हमें अभी भी हमारे व्यवहार को अपने वश में रखता हैं — दिल पे लगे जख्म, डर, इर्ष्या।
- वह हमें इन सबसे छुटकारा देना चाहता है जब हम बपतिस्में मे शामिल होते हैं।

० सच्चा खतना परमेश्वर की आत्मा का भीतरी काम है जिसके द्वारा वह पुराने स्वभाव के प्रभावों को काट कर अलग कर देता है और हमें आज़ाद कर देता है ताकि हम मसीह के द्वारा हमें दिये गए नए स्वभाव के अनुसार जीवन जी सकें।

० टमाटर के पौधे को बसंत ऋतु में ऊंटकटारों के बीच में लगाना का उदाहरण दें।

- यदि मैं यह कहूं, ''बढ़ो, टमाटर, बढ़ो....'' मैं एक मूर्ख हूं। ये सारी जिन्दगी परेशानी में पड़ा रहेगा क्योंकि ये ऊंटकटारों में उग रहा है।
- परन्तु यदि मैं ऊंटकटारों को जमीन से हटा देता हूं और टमाटर के पौधे को लगाता हूं, तब मैं यह उम्मीद कर सकता हूं कि पौधा बिना किसी परेशानी के अच्छे फलों को देगा।
- कुछ ऊंटकटारें तौभी आऐंगी परन्तु उन्हे हटाया जा सकता हैं। पहले से ''स्थापित ऊंटकटारों'' को काट दिया गया है ताकि एक नया जीवन सही तरीके से आरम्भ हो सके।
- बपतिस्में में यीशु इन्हीं ऊंटकटारों को हटा रहा है — सभी तरह की परेशानियां, बन्धन, आदतें, इच्छांए, दिल पर लगे जख्म, सभी तरह के दुख, ऐसी यादें जिनकी जड़ें भूतकाल के जीवन में हैं और सप्त—विवेक की गहराई में गढ़ा हुआ झुठ और ऐसी बातें जो हमारें आज के व्यवहार को प्रभावित करती हैं।

– हमारे हृदय पर आत्मिक आपरेशन क्या निकालना चाहता है?

''उसी ने तुम्हारा ऐसा खतना हुआ जो हाथ से नहीं होता अर्थात मसीह का खतना जिससे शारिरीक देह उतार दी जाती है'' – कुलुसियों 2:11

1. **शत्रुता – पुराना पापमय स्वभाव है**

''क्योकि शरीर पर मन लगाना तो परमेश्वर से बैर रखना है, क्योंकि न तो परमेश्वर किसी व्यवस्था के आधीन हैं और न हो सकता है।''– रोमियों 8:7

2. और **उसके बने रहने वाले प्रभाव**

आदतें
इच्छांए
नमूने
प्रेरणा और उद्धेश्य
बीते हुए अनुभव जो व्यवहार को नियंत्रित करते हैं:
भीतरी चोट, भय, इर्ष्या आदि।

उदाहरण : ऊंटकटारों को हटाना

सच्चा खतना परमेश्वर की आत्मा का आंतरिक काम है जिसके द्वारा वह पुराने मनुष्यत्व के प्रभाव को काटता है और हमें नए स्वभाव के अनुसार जिसे मसीह ने दिया है रहने के लिए स्वतंत्र करता है।

3. **गाड़ना** – पुराना जीवन को और मसीह में नए जीवन को जीने के लिए उठ खड़े होना।

''सो उस मौत का बपतिस्मा पाने से हम उसके साथ गाड़े गए ताकि मसीह जैसे पिता की महिमा द्वारा मरे हुओं में से जिलाया गया, वैसे ही हम भी नए जीवन की सी चाल चलें '' (रोमियों 6:4)

– बपतिस्मा एक **गाड़े जाने का स्थान** है।

उदाहरण : शैतान को डूबो देना

– पुराने जीवन का प्रगटीकरण हमारे हृदय की गहराई से काटा जाना और गाड़ा जाना चाहिए। एक मौत और पुनरूत्थान जगह लेता है। परमेश्वर हमारे स्वभाव को बदल देता है: आदम से मसीह में, शत्रुता और विद्रोह से, समर्पण और विश्वास तक।

3. पुराने जीवन को गाड़ देना और मसीह में नए जीवन को जीने के लिए उठ खड़े होना।

''सो उस मौत का बपतिस्मा पाने से हम उसके साथ गाड़े गए ताकि मसीह जैसा पिता की महिमा द्वारा मरे हुओं में से जिलाया गया, वैसे ही हम भी नए जीवन की सी चाल चलें'' (रोमियों 6:4)

- बपतिस्मा एक **<u>गाड़े जाने का स्थान</u>** है ।

  - एक पास्टर पासबानी कक्षा ले रहा था...बच्चे बपतिस्में से सम्बंधित जानकारियां को लिख रहे थे... एक बच्चे ने लिखा... ''हम बपतिस्में में शैतान को डुबों देते हैं।''

  - यही कुछ परमेश्वर हमारे पापों के साथ करता है! ''जितना दूर पूर्व से पश्चिम है... ''वह'' समुद्र की गहराई में उन्हे गाड़ देता है।'' हम ये सब कुछ बपतिस्में के समय प्राप्त करते है।

  - कारलोस ओरटीज़ अर्जेनटिना का एक पास्टर (लेटिन लोग अकसर नाटकीए होते हैं)... उसने बपतिस्मा लेने वाले को जैसे ही पानी में डुबोया, बपतिस्मा देने वाला जोर से चिल्लाया, ''मैं तुझे यीशु के नाम में मारता हूं, और धोषणा करता हूं कि तुम मसीह में नए जीवन को जीने के लिए उठ खड़े हो जाओ।

  - विश्वास के द्वारा वे पुराने जीवन की मृत्यु और मसीह में नए जीवन के जी उठने को ग्रहण करते हैं।

  - पुराने जीवन के प्रगटीकरण को हमारे हृदयों की गहराई से काट दिए और गाड़ दिए जाने की जरूरत है। एक मृत्यु और जी उठने की घटना घटती है। परमेश्वर हमारे स्वभाव में बदलाव और दिशा में परिवर्तन लाता है : आदम से मसीह में, शत्रुता और विद्रोह से आधीनता और विश्वास में।

– हमारे हृदय पर आत्मिक आपरेशन क्या निकालना चाहता है?

''उसी ने तुम्हारा ऐसा खतना हुआ जो हाथ से नहीं होता अर्थात मसीह का खतना जिससे शारिरीक देह उतार दी जाती है'' – कुलुसियों 2:11

1. **शत्रुता – पुराना पापमय स्वभाव है**

''क्योकि शरीर पर मन लगाना तो परमेश्वर से बैर रखना है, क्योंकि न तो परमेश्वर किसी व्यवस्था के आधीन हैं और न हो सकता है।''– रोमियों 8:7

2. और **उसके बने रहने वाले प्रभाव**

आदतें
इच्छांए
नमूने
प्रेरणा और उद्धेश्य
बीते हुए अनुभव जो व्यवहार को नियंत्रित करते हैं:
भीतरी चोट, भय, इर्ष्या आदि।

उदाहरण : ऊंटकटारों को हटाना

सच्चा खतना परमेश्वर की आत्मा का आंतरिक काम है जिसके द्वारा वह पुराने मनुष्यत्व के प्रभाव को काटता है और हमें नए स्वभाव के अनुसार जिसे मसीह ने दिया है रहने के लिए स्वतंत्र करता है।

3. गाड़ना – पुराना जीवन को और मसीह में नए जीवन को जीने के लिए उठ खड़े होना।

''सो उस मौत का बपतिस्मा पाने से हम उसके साथ गाड़े गए ताकि मसीह जैसे पिता की महिमा द्वारा मरे हुओं में से जिलाया गया, वैसे ही हम भी नए जीवन की सी चाल चलें '' (रोमियों 6:4)

– बपतिस्मा एक **गाड़े जाने का स्थान** है।

उदाहरण : शैतान को डूबो देना

– पुराने जीवन का प्रगटीकरण हमारे हृदय की गहराई से काटा जाना और गाड़ा जाना चाहिए। एक मौत और पुनरूत्थान जगह लेता है। परमेश्वर हमारे स्वभाव को बदल देता है: आदम से मसीह में, शत्रुता और विद्रोह से, समर्पण और विश्वास तक।

यह सब कुछ हम विश्वास के द्वारा ग्रहण करते हैं।

''बपतिस्में के द्वारा उसके साथ गाड़े गए, जिसमें विश्वास के द्वारा तुम जी उठे, परमेश्वर जिसने उसे मरे हुओं में से जिलाया'' कुलुसियों 2:12

- विश्वास का हाथ परमेश्वर से सब कुछ प्राप्त करने के लिए बढ़ता है। हर कदम जो हम उठातें हैं, हर निवेदन जो हम करते हैं, हां फायदे जो हमें प्राप्त होते हैं केवल तभी हमारे जीवन में क्रियाशील होते हैं जब हम उन्हें प्राप्त करते हैं और वे हमारे अनुभव विश्वास के हाथ के द्वारा वास्तविक बन जाते हैं।

- एक व्यक्ति बपतिस्में की विधि में से जा सकता हैं पर इसका कुछ भी अर्थ नहीं हो सकता ।

  ० ''तब क्या जब मैं बपतिस्में के कुण्ड में गिर जाऊं? क्या मेरा बपतिस्मा हो गया?'' नहीं, मैं केवल गीला होऊंगा। क्योंकि पानी में उतरने के साथ और भी बहुत कुछ होता है।

  ० उदाहरण : 100 रुपए का नोट

    — 100 रुपये के जिस नोट को मैंने हाथ में पकड़ा हैं उसका सरकारी मूल्य होने के साथ–2 कुछ भौतिक मूल्य भी है। भौतिक मूल्य का अर्थ है इसमें लगी स्याही, कागज आदि का मूल्य। परन्तु भारतीय सरकार के कानून के द्वारा स्थापित इसका सरकारी मूल्य 100 रुपए है सरकार कहती है कि इस कागज के छोटे टुकड़े पर कुछ लिखा हुआ है और इसका मूल्य 100 रुपए है इसलिए मैं इसे दूकान पर ले जाता हूं और इसके सरकारी मूल्य का प्रयोग करता हूं।

  ० ऐसा ही कुछ बपतिस्में के साथ हैं पानी और विधि का अर्थ थोड़ा ही है पर जब बपतिस्में का चिन्ह प्रभु यीशु मसीह की मृत्यु और जी उठने के साथ मिला दिया जाता हैं तब जो व्यक्ति इसे विश्वास के साथ ग्रहण करता है उसके लिए यह अत्यन्त मूल्यवान हो जाता है। पुराने को गाड़ दिया गया और वह जीवन की नवीनता में उठ रहें हैं।

ये सब हम विश्वास से प्राप्त करते हैं

.....बपतिस्में के द्वारा उसके साथ गाड़े गए, जिसमें विश्वास के द्वारा तुम जी उठे, परमेश्वर जिसने उसे मरे हुओं में से जिलाया – (कुलुसियों 2:12)

जैसा कि ये सब परमेश्वर की अनुग्रह कारी कार्य हमारे जीवनों मे सत्य है, हमारी मसीह के साथ चलने की तैयारी हमारे हृदयों की है जो विश्वास के द्वारा प्राप्त करनी चाहिए और यदि इसे प्रभावशाली होना है तो इसे पवित्रआत्मा के द्वारा हममें उत्तेजित होना चाहिए। एक व्यक्ति बपतिस्में की विधि में से जा सकता है परन्तु इसका कुछ भी अर्थ नहीं हो सकता

उदाहरण : ''सौ रूपये दो कीमतें''
– भौतिक मूल्य
– सरकारी मूल्य

इसलिए बपतिस्मा अब .....**तमाशा देखने वालों का खेल**..... नहीं रहा।

. **बपतिस्मा डुबकी को शामिल करता है**

1. यूनानी शब्द .....**बेपटिज़ो**..... का अर्थ है।
''डुबोना या नीचे डालना''

2. नया नियम डुबकी के भाव को प्रगट करता है

मरकुस 1: 5 एंव 9, **यरदन नदी ''मै (स्वयम्)'' ...**
यहून्ना 3: 23; **वहां, ''काफी'' पानी था...**
प्रेरित 8 : 38–39 ;''**पानी के नीचे '' पानी के ''ऊपर''...**

3. डुबोना ''सिद्ध'' चिन्ह है। कोई और तरीका इतना स्पष्ट इस अनुभव की विशेषता को नहीं बतलाता जैसा इसके लिए धर्मशास्त्र में दिया गया है।

''सो उस मौत का बपतिस्मा पाने से हम उसके साथ गाड़े गए ताकि मसीह जैसे पिता की महिमा द्वारा मरे हुओं में से जिलाया गया, वैसे ही हम भी नए जीवन की सी चाल चलें, क्योंकि यदि हम उसकी मौत की समानता में जुट गए हैं तो निश्चय उसके जी उठने की समानता में भी जुट जायेगें ''
(रोमियों 6:4–5)

समापन के विचार

हर एक चीज़ जो परमेश्वर ने हमारे लिए रखी है वह एक बढ़ता हुआ अनुभव है।

वे जो अपने जीवन में पहले बपतिस्मा पाए हैं उन्हें इस रीति रीवाज को दोहराने की जरूरत नहीं है। परमेश्वर ने इस काम को उनके जीवन में पहले पूरा किया था, उसकी प्रशंसा वे अब कर सकते है।

यदि वह अब बड़े होकर डुब का बपतिस्मा लेते हैं तो यह पहले की गई इस विधि को अलग करना नहीं है पर आप उसमे केवल जोड़ रहे हैं। आप अपने जीवन में लगातार परमेश्वर के इस उत्सव को मना रहे हैं।

इसलिए बपतिस्मा **<u>तमाशा देखने वालों का खेल</u>** नहीं है।

- जब हमारी एक सभा में चंगाई के लिए प्रार्थना की जा रही होती है तब हम पास खड़े होकर देखते और सुनते नही रहते पर हम सब मिलके प्रार्थना कर रहे होते हैं — विश्वास मे इक्टठे हेाकर...., ''हां, प्रभु, शरीर को छु, यीशु मसीह के नाम में अपनी चंगोई को उन पर छोड़ दें।''

- बिल्कुल इसी तरह से हम बपतिस्में की सभी घटनाओं मे शामिल हेाते है। हम वहां पर उस भाई या बहन को जो बपतिस्मा ले रहा होता है के विश्वास की मदद के लिए खड़े होते है, और इस बात का दावा करते हैं कि बपतिस्में के द्वारा प्रभु जो कुछ चाहता है उसे स्थापित कर ले। हम अपने विश्वास का अभ्यास कर रहे है।'' हां प्रभु, यहां पर कुछ कर! हम विश्वास करते हैं कि आप इस व्यक्ति को शुद्ध करें और जैसा कि आप इसके दिल का खतना करते हैं वैसे ही आप इसके सारे बन्धनों को तोड दें और इसे आजाद कर दें कि यह आपकी सेवा करे।

- इसलिए परमेंश्वर के वचन के अधिकार में और पवित्रआत्मा की सामर्थ में पासबान यह धोषणा करता है कि जिस व्यक्ति का बपतिस्मा हो रहा है वह सभी तरह के पिछले बन्धनों से आज़ाद हो जाए। वह पवित्रआत्मा के द्वारा उसके दिल का खतना किए जाने वाले आप्रेशन को ग्रहण करता है यीशु के नाम में वह इसकी घोषणा करता है।

- इसलिए हम छिपकर बपतिस्मा नहीं देते... यह मसीह की देह का सार्वजनिक काम है।

- बपतिस्मा इसलिए एक विश्वासी के जीवन का आरम्भिक कदम है जो एक ऐसे आज़ाद जीवन को जीनें की मदद करता है जिसके लिए यीशु बुला रहा हैं।

ये सब हम विश्वास से प्राप्त करते हैं

.....बपतिस्में के द्वारा उसके साथ गाड़े गए, जिसमें विश्वास के द्वारा तुम जी उठे, परमेश्वर जिसने उसे मरे हुओं में से जिलाया – (कुलुसियों 2:12)

जैसा कि ये सब परमेश्वर की अनुग्रह कारी कार्य हमारे जीवनों मे सत्य है, हमारी मसीह के साथ चलने की तैयारी हमारे हृदयों की है जो विश्वास के द्वारा प्राप्त करनी चाहिए और यदि इसे प्रभावशाली होना है तो इसे पवित्रआत्मा के द्वारा हममें उत्तेजित होना चाहिए। एक व्यक्ति बपतिस्में की विधि में से जा सकता है परन्तु इसका कुछ भी अर्थ नहीं हो सकता

उदाहरण : ''सौ रूपये दो कीमतें''
– भौतिक मूल्य
– सरकारी मूल्य

इसलिए बपतिस्मा अब .....**तमाशा देखने वालों का खेल**..... नहीं रहा।

. **बपतिस्मा डुबकी को शामिल करता है**

1. यूनानी शब्द .....**बेपटिज़ो**..... का अर्थ है।
''डुबोना या नीचे डालना''

2. नया नियम डुबकी के भाव को प्रगट करता है

मरकुस 1: 5 एंव 9, **यरदन नदी ''मै (स्वयम्)'' ...**
यहून्ना 3: 23; **वहां, ''काफी'' पानी था...**
प्रेरित 8 : 38–39 ;''**पानी के नीचे '' पानी के ''ऊपर''...**

3. डुबोना ''सिद्ध'' चिन्ह है। कोई और तरीका इतना स्पष्ट इस अनुभव की विशेषता को नहीं बतलाता जैसा इसके लिए धर्मशास्त्र में दिया गया है।

''सो उस मौत का बपतिस्मा पाने से हम उसके साथ गाड़े गए ताकि मसीह जैसे पिता की महिमा द्वारा मरे हुओं में से जिलाया गया, वैसे ही हम भी नए जीवन की सी चाल चलें, क्योंकि यदि हम उसकी मौत की समानता में जुट गए हैं तो निश्चय उसके जी उठने की समानता में भी जुट जायेगें ''
(रोमियों 6:4–5)

समापन के विचार

हर एक चीज़ जो परमेश्वर ने हमारे लिए रखी है वह एक बढ़ता हुआ अनुभव है।

वे जो अपने जीवन में पहले बपतिस्मा पाए हैं उन्हें इस रीति रीवाज को दोहराने की जरूरत नहीं है। परमेश्वर ने इस काम को उनके जीवन में पहले पूरा किया था, उसकी प्रशंसा वे अब कर सकते है।

यदि वह अब बड़े होकर डुब का बपतिस्मा लेते हैं तो यह पहले की गई इस विधि को अलग करना नहीं है पर आप उसमे केवल जोड़ रहे हैं। आप अपने जीवन में लगातार परमेश्वर के इस उत्सव को मना रहे हैं।

बपतिस्में में डुबना शामिल है।

1. युनानी शब्द **<u>बेपटिजो</u>** का अर्थ डुबना डुबोना या नीचे में उतर जाना है।

    1. नए नियम में इस तरह के भावों का पता चलता है कि जिस किसी का बपतिस्मा हआ उसे डुबोया गया था.... (विद्यार्थी की प्रशिक्षण पुस्तिका में पवित्रशास्त्र के पदों को देखे)

    2. कुछ धार्मिक समुदाय छिड़काव या उड़ेलने की विधि के द्वारा बपतिस्मा देते हैं पर हम विश्वास रखते हैं कि डुबाना ही यही चिन्ह है। क्योंकि जो कुछ हम कह रहे हैं वो इसी तरह के बपतिस्में में पूरा हेाता है — यीशु की मृत्यु और जी उठने में हमारी समानता। कोई दूसरी तरह की विधि पवित्रशास्त्र के इस अनुभव को सही रूप से नहीं दिखला पाती है।

        • आओ हम रोमियों 6:4—5 के संदर्भ को लें और बपतिस्में की विभिन्न विधियों को उसकी रोश्नी में देखें जो इस बात की घोषणा करती हैं कि हम बपतिस्में के द्वारा मर गए और उसके साथ गाड़े गए ।

            ० हम उसके साथ उसकी मृत्यु और जी उठने में ''छिड़काव'' के द्वारा गाड़े गए

            ० हम उसके साथ उसकी मृत्यु और जी उठने में ''उड़ेलना'' के द्वारा गाड़े गए

            ० हम उसके साथ उसकी मृत्यु और जी उठने में ''डुबना'' के द्वारा गाड़े गए

ये सब हम विश्वास से प्राप्त करते हैं

.....बपतिस्में के द्वारा उसके साथ गाड़े गए, जिसमें विश्वास के द्वारा तुम जी उठे, परमेश्वर जिसने उसे मरे हुओं में से जिलाया – (कुलुसियों 2:12)

जैसा कि ये सब परमेश्वर की अनुग्रह कारी कार्य हमारे जीवनों मे सत्य है, हमारी मसीह के साथ चलने की तैयारी हमारे हृदयों की है जो विश्वास के द्वारा प्राप्त करनी चाहिए और यदि इसे प्रभावशाली होना है तो इसे पवित्रआत्मा के द्वारा हममें उत्तेजित होना चाहिए। एक व्यक्ति बपतिस्में की विधि में से जा सकता है परन्तु इसका कुछ भी अर्थ नहीं हो सकता

उदाहरण : ''सौ रूपये दो कीमतें''
– भौतिक मूल्य
– सरकारी मूल्य

इसलिए बपतिस्मा अब .....**तमाशा देखने वालों का खेल**..... नहीं रहा।

. **बपतिस्मा डुबकी को शामिल करता है**

1. यूनानी शब्द .....**बेपटिज़ो**..... का अर्थ है।
''डुबोना या नीचे डालना''

2. नया नियम डुबकी के भाव को प्रगट करता है

मरकुस 1: 5 एंव 9, **यरदन नदी ''मै (स्वयम्)'' ...**
यहून्ना 3: 23; **वहां, ''काफी'' पानी था...**
प्रेरित 8 : 38–39 ;''**पानी के नीचे '' पानी के ''ऊपर''...**

3. डुबोना ''सिद्ध'' चिन्ह है। कोई और तरीका इतना स्पष्ट इस अनुभव की विशेषता को नहीं बतलाता जैसा इसके लिए धर्मशास्त्र में दिया गया है।

''सो उस मौत का बपतिस्मा पाने से हम उसके साथ गाड़े गए ताकि मसीह जैसे पिता की महिमा द्वारा मरे हुओं में से जिलाया गया, वैसे ही हम भी नए जीवन की सी चाल चलें, क्योंकि यदि हम उसकी मौत की समानता में जुट गए हैं तो निश्चय उसके जी उठने की समानता में भी जुट जायेगें ''
(रोमियों 6:4–5)

समापन के विचार

हर एक चीज़ जो परमेश्वर ने हमारे लिए रखी है वह एक बढ़ता हुआ अनुभव है।

वे जो अपने जीवन में पहले बपतिस्मा पाए हैं उन्हें इस रीति रीवाज को दोहराने की जरूरत नहीं है। परमेश्वर ने इस काम को उनके जीवन में पहले पूरा किया था, उसकी प्रशंसा वे अब कर सकते है।

यदि वह अब बड़े होकर डुब का बपतिस्मा लेते हैं तो यह पहले की गई इस विधि को अलग करना नहीं है पर आप उसमे केवल जोड़ रहे हैं। आप अपने जीवन में लगातार परमेश्वर के इस उत्सव को मना रहे हैं।

समापन के विचार

. हर एक चीज़ जो परमेश्वर ने हमारे लिए रखी है वह एक बढ़ता हुआ अनुभव है हमने देखा कि कैसे जीवन परिवर्तन एक प्रक्रिया है जो हमारे जीवन में पूर्ण उद्धार को लाती है और कैसे इस जीवन परिवर्तन को हमारे जीवन में बढ़ते रहने की जरूरत है। ऐसा ही बपतिस्में के साथ में होता है।

वे सभी जिन्होंने प्रभु के नए नियम के बपतिस्में के अनुसार उसके पीछे नहीं हो लिए उन्हें यह शीध्र कर लेने की जरूरत है।

आप में से कुछ अपने नए विश्वास में अपने बपतिस्में को फिर से ताजा करना चाहते है। क्योंकि अब आप पवित्रशास्त्र में दिए गए छुटकारे को और अधिक समझ गए है। जिसे अब आप बपतिस्में के समय दावा कर सकते हैं।

बाकी लोग बपतिस्में के अनुभव का आनन्द कर सकते हैं जो उन्होंनें पहले लिया था और प्रभु का धन्यवाद कर सकते हैं

ये सब हम विश्वास से प्राप्त करते हैं

.....बपतिस्में के द्वारा उसके साथ गाड़े गए, जिसमें विश्वास के द्वारा तुम जी उठे, परमेश्वर जिसने उसे मरे हुओं में से जिलाया – (कुलुसियों 2:12)

जैसा कि ये सब परमेश्वर की अनुग्रह कारी कार्य हमारे जीवनों मे सत्य है, हमारी मसीह के साथ चलने की तैयारी हमारे हृदयों की है जो विश्वास के द्वारा प्राप्त करनी चाहिए और यदि इसे प्रभावशाली होना है तो इसे पवित्रआत्मा के द्वारा हममें उत्तेजित होना चाहिए। एक व्यक्ति बपतिस्में की विधि में से जा सकता है परन्तु इसका कुछ भी अर्थ नहीं हो सकता

उदाहरण : ''सौ रूपये दो कीमतें''
– भौतिक मूल्य
– सरकारी मूल्य

इसलिए बपतिस्मा अब .....**तमाशा देखने वालों का खेल**..... नहीं रहा।

. **बपतिस्मा डुबकी को शामिल करता है**

1. यूनानी शब्द .....**बेपटिज़ो**..... का अर्थ है।
''डुबोना या नीचे डालना''

2. नया नियम डुबकी के भाव को प्रगट करता है

मरकुस 1: 5 एंव 9, **यरदन नदी ''मै (स्वयम्)'' ...**
यहून्ना 3: 23; **वहां, ''काफी'' पानी था...**
प्रेरित 8 : 38–39 ;''**पानी के नीचे '' पानी के ''ऊपर''...**

3. डुबोना ''सिद्ध'' चिन्ह है। कोई और तरीका इतना स्पष्ट इस अनुभव की विशेषता को नहीं बतलाता जैसा इसके लिए धर्मशास्त्र में दिया गया है।

''सो उस मौत का बपतिस्मा पाने से हम उसके साथ गाड़े गए ताकि मसीह जैसे पिता की महिमा द्वारा मरे हुओं में से जिलाया गया, वैसे ही हम भी नए जीवन की सी चाल चलें, क्योंकि यदि हम उसकी मौत की समानता में जुट गए हैं तो निश्चय उसके जी उठने की समानता में भी जुट जायेगें ''
(रोमियों 6:4–5)

समापन के विचार

हर एक चीज़ जो परमेश्वर ने हमारे लिए रखी है वह एक बढ़ता हुआ अनुभव है।

वे जो अपने जीवन में पहले बपतिस्मा पाए हैं उन्हें इस रीति रीवाज को दोहराने की जरूरत नहीं है। परमेश्वर ने इस काम को उनके जीवन में पहले पूरा किया था, उसकी प्रशंसा वे अब कर सकते है।

यदि वह अब बड़े होकर डुब का बपतिस्मा लेते हैं तो यह पहले की गई इस विधि को अलग करना नहीं है पर आप उसमे केवल जोड़ रहे हैं। आप अपने जीवन में लगातार परमेश्वर के इस उत्सव को मना रहे हैं।

1. किसका बपतिस्मा होना चाहिए?

2. इससे पहले कि एक व्यक्ति का बपतिस्मा हो निम्न पद क्या दिखाते है?

   प्रेरित 2:38
   प्रेरित 2:41
   प्रेरित 8:37
   प्रेरित 18:8

3. यूनानी शब्द ''बैप्टीज़ों'' का क्या अर्थ है?

4. नये नियम की तीन कहानीयां पहचाने जिनमें ''विश्वासीयों'' को बपतिस्मा दिया गया हो।
   1.

   2.

   3.

5. बपतिस्में की तुलना एक सैनिक से जो अपनी वर्दी धारण करता है से कैसे की जा सकती हैं?

6. रोमियों 6:4 बपतिस्में के बारें में क्या सिखाता है?

7. कुलुसियों 2:11–12 बपतिस्में के बारें में क्या सिखाता है?

8. हम बपतिस्में में पुराने जीवन से कैसे स्वतंत्र हो जाते हैं? (यदि आवश्यकता पड़े तो पृष्ठ का पिछला हिस्सा प्रयोग करें)

नये जीवन में बढ़िये

प्रथम बार जब एक बच्चा चम्मच का प्रयोग करता है, तो भोजन अन्दर कम बाहर अधिक रहता है। क्यों? क्योंकि उसे चम्मच इस्तेमाल करने का अभ्यास नहीं है। पर ''अभ्यास व्यक्ति को सिद्ध'' बनाता है और अधिक समय नहीं लगता जब बच्चा चम्मच का इस्तेमाल अच्छी तरह करने लगता है। वास्तव में वह चम्मच इस्तेमाल करने में इतना निपुण हो जाता है कि ये उसकी आदत बन जाती है।

यही तो अभ्यास कराता है। लगातार अभ्यास एक काम करने की आदत बन जाता है या जीवन का एक हिस्सा बन जाता है। जब आप मसीह को ग्रहण करते हैं तो आप बच्चे की तरह परमेश्वर के परिवार में पैदा होते हैं। कुछ मसीही आदतें ग्रहण की जाती हैं। इन निम्न दिए गए सुझावों का अभ्यास आपको विश्वासयोग्यता से करना चाहिए जिससे कि ये आपके मसीही जीवन का हिस्सा बन जाएं।

प्रतिदिन प्रार्थना करें

यदि बेटा सारे दिन पिता से बिना कुछ कहे कहीं चला जाए तो पिता क्या सोचेगा? या सुबह, भोजन के समय, शाम को, या जब वह सोने पलंग पर चला गया? हमारा स्वर्गीय पिता क्या सोचेगा यदि पूरे दिन हम उससे बिना बात करे (प्रार्थना करे) चले जाएं? प्रार्थना साधारतया परमेश्वर से वार्तालाप करता है। जब हम प्रार्थना करते हैं तो हम परमेश्वर से बाते करते हैं और हम घीमें से सुनते हैं कि वह क्या कहता है यदि हमें मसीह की तरह बढ़ना है तो प्रार्थना करना चाहिए। ''हमें हमेशा प्रार्थना करना चाहिए'' (लूका 18:1)

कभी—कभी हर दिन प्रार्थना के लिए समय निर्धारित करना चाहिए। ये बुद्धिमानी है। यदि कुछ मिन्ट प्रातःकाल प्रार्थना में बिताएं जांए जैसे ही आप सुबह जागते हों। परमेश्वर के साथ दिन आरम्भ करो, उससे आशिष और मार्गदर्शन मांगें। इससे पहले कि रात को आप सोने जाएं परमेश्वर को उसकी मदद के लिए धन्यवाद दें। उसके सामने अपने पापों का अंगीकार कर लें और उसकी क्षमा प्राप्त करें। उसे अपने आप को नए तरीके से सौंप दें। दूसरों के लिए प्रार्थना करें। इस प्रकार आप अपने दिन को परमेश्वर के साथ आरम्भ और अन्त करें। ये सही हैं कि कहीं भी किसी भी समय आप परमेश्वर को उसके प्रेम, उसकी उपस्थिति की मदद के लिए धन्यवाद दे सकते हैं। कोई भी इतना अधिक व्यस्त नहीं हैं कि वह परमेश्वर की नज़दीकी और प्रतिदिन उसके साथ संगति नहीं कर सकता। क्या आप इसे अपनी आादत बनाऐंगे?

प्रतिदिन बाइबल पढ़िए

हम केवल ये इच्छा नहीं रखते हैं कि परमेश्वर से बातें करें पर ये कि वह हमसे बाते करे, ये बताए कि किस मार्ग पर जाना है, और क्या करना है। परमेश्वर हमसे बाइबल के माध्यम से बातें कर सकता है। ये हमारे जीवन के मार्ग का नक्शा है। यात्री यदि यात्रा में खो जाए तो वह सड़क के नक्शें को दोष नहीं देता पर स्वंय को। बहुत से विश्वासी अपने जीवन के मार्ग से भटक जाते या खो जाते हैं इसलिए कि वे बाइबल नहीं पढ़ते।

बाइबल पढ़ने में विश्वासयोग्य होने का सबसे उत्तम तरीका ये है कि जिस कमरे में आप प्रार्थना करते हैं वहां आपकी बाइबल अवश्य हो। प्रार्थना से पहले और बाद में बाइबल पढ़े। इस प्रकार आप दो तरफा वार्तालाप परमेश्वर से करते हैं। आप उससे प्रार्थना में बातें करते हैं, और वह आपसे तब बात करता है जब आप बाइबल पढ़ते हैं और शान्त होकर उसके और उसके वचनों के बारे में सोचते हैं।

बाइबल आज तक की सभी पुस्तकों मे से सबसे महत्वपूर्ण, मूल्यवान पुस्तक लिखी गई है। यह आपके लिए बहुत दिलचस्प हो सकती है। पर इसे उत्पत्ति से आरम्भ न करें । एक सुझाव है — उद्धारकर्ता की कहानी से आरम्भ करें जो मरकुस के सुसमाचार में पाई जाती है। तब यहून्ना का अदभुत सुसमाचार पढ़ें — उसके बाद ये देखने के लिए कि आरम्भिक विश्वासी कैसे रहते थे, प्रेरितों के काम पढ़िये। भजन सहितां आपको आत्मिक जीवन की गहराई में ले जाएगा। फिल्लिपीयों का पत्र आपको धन्यवादी बना देगा। रोमियों का पत्र आपको मसीही विश्वास की महान शिक्षा का निर्देश देगा। पहले यहून्ना का पत्र सच्चे विश्वासीयों के चिन्ह का वर्णन करता है। लूका का सुसमाचार ''सबसे सुन्दर पुस्तक'' लिखी गई है। इब्रनियों की पत्री दिखाती है कि किस प्रकार पुराना नियम मसीह के संदेश में पूर्ण होता है। मत्ती का सुसमाचार विशेष रूप से ये दिखाता है कि यीशु के जीवन ने कैसे पुराने नियम की भविष्यवाणीयों को पूरा किया। नया नियम पढ़ने के बाद आपको पुराने नियम की कहानियां बहुत सहायक मालूम पड़ेंगी। कभी—कभी आप दो या तीन अध्याय पढ़ना चाहोगे। अन्य समयों में अपना पूरा समय केवल एक पद या संदर्भ पर विचार करने में बिताओ। पढ़ें जब तक कि परमेश्वर दिन के संदेश न दे दे — भजन कार के बयान को स्मरण करें, ''तेरे वचन को मैंने अपने हृदय में रख छोड़ा है जिससे कि मैं पाप न करूं'' (भजन 119:11)। क्या आप इसे अपनी प्रतिदिन की आदत बनाओगे?

कलीसिया में लगातार जाएं

यदि आप कलीसिया की देह में सक्रिय नहीं हैं तो आप मसीही जीवन में बहुत कम मदद और प्रोत्साहन पाते हैं। संगति, समुह की उपासना, प्रार्थना और अध्ययन का उन्हें अनुभव नहीं मिलता जो कलीसिया की संगति से गैर हाज़िर होते हैं। जैसे एक अंगारे को अलग कर दें तो थोड़ी देर बाद वह बुझ जाता है, इसी प्रकार एक विश्वासी अपने आत्मिक प्रकाश व आनन्द को खो देगा, यदि वह लगातार संगति में नहीं रहता। बढ़ता हूआ विश्वासी वह हैं जो पूरी तौर से कलीसिया के जीवन में निस्वार्थ रूप से कलीसियाई कार्यों में हिस्सा लेता है। बाइबल हमें चेतावनी देती है, ''एक दूसरे के साथ इक्ट्ठा होना न छोड़ें जैसा कितनों की रीति है'' (इब्रनियों 10:25)। आपकी कलीसिया प्रति सप्ताह विभिन्न प्रकार की सेवाऐं उपलब्ध कराती है। सभी सेवाओं में उपस्थित होने का प्रयास करें। एक विश्वासी के रूप में आपको अराधना में प्रोत्साहन की, अध्ययन की अवश्यकता होती है और आप इन सब अवसरों का मसीही बढ़ौतरी के लिए लाभ उठा सकते हैं क्या आप ऐसा करेंगे?

प्रभु को लगातार दें

संसार और जो कुछ इसमें हैं वह लोंगों का नहीं पर परमेश्वर का ही है जिसने इसकी सृष्टि की पर जिसे भूल जाना आसान है। ''पृथ्वी और जो कुछ उसमें है यहोवा ही का है ; जगत और उसमें निवास करने वाले भी'' (भजन 24:1)। जो कुछ आपके पास है परमेश्वर ही सब का मालिक है। वह पैसा जो आप कमाते हैं, आपका नहीं है। ये परमेश्वर के द्वारा दिया गया भण्डारीपन है। आप परमेश्वर द्वारा दी गई योग्यताओं के द्वारा — पृथ्वी के प्राकृतिक साधनों सें, खाद्य पदार्थों से, पानी से, सब्जी से , बिजली से, परमेश्वर की सारी सृष्टि के सारे उत्पादन से पैसा कमाते हैं।

भण्डारीपन का अर्थ है कि एक विश्वासी यह अहसास करता है वह जिस प्रकार उसके जीवन, स्वस्थ, देह, योग्यता, पैसे का इस्तेमाल करता है वह परमेश्वर के प्रति उत्त्रदायी है। प्रथम कदम ये है कि अपने आपको परमेश्वर को दे दें। एक विश्वासी जो परमेश्वर के कार्य में पैसों से मदद नहीं करता जबकि उसे इस सत्य का सामना करना चाहिए, तो उसने अभी तक अपने आपको परमेश्वर को नहीं दिया है। जब हमने अपना जीवन उसको समर्पित कर दिया तब हम अपना पैसा भी आनन्दपूर्वक उसके कार्यों के लिए दे दें। यह एक परीक्षा है। क्या आप परमेश्वर के कार्य के लिए उदारता से देने में आनन्दित होते हैं?

हमारा स्वर्गीय पिता हमारी आवश्यकताओं को जानता है। वह यह भी जानता है कि लोगों की भीड़ इस बात से चितिंत है कि उनके पास क्या है और क्या नही है। कुछ लोग अपने स्वार्थ और असंतुष्ट इच्छाओं के कारण परमेश्वर के कार्य के लिए कभी नहीं देते। यीशु ने आपने चेले से आग्रह किया कि भोजन, कपड़ों के लिए अधिक चिंतित न हों पर परमेश्वर की इच्छा पूरी करने के लिए चिंतित हों (मत्ती 6:31—33)।

हर एक समर्पित चेले की इच्छा यह है कि प्रभु के काम के लिए दे। बाइबल देने के बारे में सबसे दूर का सुझाव देती है — दशंवा हिस्सा। पुराने नियम में दशमांश देना परमेश्वर की व्यवस्था का एक नियम था (मलाकी 3:10) नए नियम में विश्वासीयों को लगातार और सही रूप से देने का आग्रह किया गया है (1कुरिथियों 16:2)। यदि पुराने नियमे के विश्वासीयों ने दशवां हिस्सा दिया तो हम जो व्यवस्था के अधीन नहीं रहते पर प्रभु यीशु के अनग्रह के आधीन हैं, और कम नहीं कर सकते। वे व्यक्ति जो परमेश्वर को अपनी आय का दशवां हिस्सा देते हैं वे कभी नहीं पछताते।

मसीह के लिए विश्वासयोग्यता से गवाही दें

यीशु ने अपने सभी चेलों से कहा, ''तुम मेरे गवाह होंगे'' प्रेरित 1:8। आप मसीह के पास लाए गए क्योंकि किसी ने आपको उसके बारें में और उसके प्रेम के बारे ं मे बताया। अब ये आपकी बारी है। क्या आप दूसरों को बताएगें, जिससे वे भी यीशु से सम्बन्धित हो जाने के आनन्द का अनुभव करें?

यहून्ना 1:35—36 में हम पढ़ते हैं कि यहून्ना बपतिस्मा देने वाले ने अपने दो शिष्यों को प्रभु यीशु के पास भेजा। वे दोनों चेले उसके हो गए। उनमें से एक अन्द्रियास तुरन्त अपने भाई को उद्धारकर्ता के बारें में बताने के लिए चला गया। उसी प्रकार फिलिपुस जब विश्वासी बन गया तो उसने नथानियल को बताया और वह भी यीशु के पीछे हो लिया।

गवाही देने की बात को कठिन न बनाएं

दूसरों को बतांए कि यीशु ने आपके लिए क्या किया है और आपसे उसका क्या मतलब है। उन्हें बतांए कि वे कैसे मसीह के प्रेम का अनुभव कर सकते हैं। अपने साथ आरधना में उन्हे आने का निमंत्रण दें या अपने पास्टर से उनके बारें में बात करें।

गवाही यीशु के बारे में बताने मे और भी बातें शामिल रखती है। सेवा के कामों के द्वारा — जो आप घर पर, समुदाय में करते हो, उससे मसीह की गवाही प्रगट होती है। आपका असली प्रेम जो दूसरों के प्रति भले ही वे किसी जाति, संस्कृति या धर्म के हों — आपके कार्य की इमानदारी, आपकी उनके लिए चिंता और आपके द्वारा उनकी आवश्यकताओं को दूर करने की कोशिश — ये सब कुछ यह प्रगट करता है कि मसीह आपमें रहता है। अपनी कलीसिया के अगुवो ंसे कहें कि आप कोई निश्चित काम उनके लिए कर सकते हैं और आप उसे विश्वासयोग्यता से करें। जैसे दया का एक काम, प्रशंसा का शब्द आदि बहुत सहायक पूर्ण होते है — इन सब तरीको ंसे आप मसीह के गवाह हो सकते है।

आपको लगातार यीशु मसीह के निष्ठावान अनुयायी होकर जीना चाहिए, यह स्मरण करते हुए कि जब भी आपको अवसर मिलेगा, आप अपने मित्रों को प्रभु यीशु के बारें में बताऐंगे।

प्रथम

— जल्दी से प्रश्न पत्र 4 के प्रश्न 1 और 2 को देखें।

— तब उन्हें प्रश्न 6 का उत्तर आपस में बांटने दो। जो भी प्रश्न उठता है उसके प्रति वार्तालाप करें।

अब — उनसे कहें कि आपके पास उनके लिए कुछ प्रश्न हैं :
''इस सप्ताह के प्रश्नों को पीछे अपने प्रति उत्तर उन्हे लिखने के लिए कहें। निश्चित करें कि हर एक के पास पैन्सिल हो।

क. पानी में डुबकी लगाने वाली तस्वीर आपके लिए क्या अर्थ रखती है?

ख. '' विश्वासी का बपतिस्मा'' आपके लिए क्या वर्णन करता है?

ग. बपतिस्में के बारे में आपके क्या प्रश्न हैं?

अगला

उपर के प्रश्नों के उत्तर जो उन्होंनें लिखें हैं उन्हें बांटने दीजिएं। एक बार पर एक विचार करें।

अन्त में

''हृदय के खतने'' के बारे में उनसे चर्चा करें जहां हम भरोसा करते हैं कि प्रभु उन्हे यानि पुराने जीवन के बने रहने वाले प्रभावों को बपतिस्में में ''काट डालें''। निश्चय कर लें कि वे समझ गए हैं कि हम ''उन पर अपना अधिकार'' रखें और प्रभु पर विश्वास करें कि हमें बपतिस्में में पुराने मनुष्यत्व ''से स्वतंत्र'' करें।

अगले समय के लिए

— अधिवेशन 5 के लिए प्रश्न पत्र को पूरा करने लिए कहें।

— अगले अधिवेशन की तैयारी के लिए, ''नये जीवन में बढ़ना'' पर्चे को पढ़ें।